

Innovation and Incubation Centre

Shri Guru Ram Rai Univesity

Dehradun, Uttarakhand

27 September 2023

Guest Lecture and mentorship session

**“Entrepreneurship: Grameen swarojgaar
village resource based employment”**



SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY
Patel Nagar, Pathribagh, Dehradun-248001, Uttarakhand, India
[Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017 & recognized by UGC u/s 2(f) of UGC Act 1956]

**Guest Lecture
On
Entrepreneurship: Grameen Swarojgaar
Village Resource Based Employment**



Shri Mahant Devendra Dass Ji Maharaj
Honorable Chancellor
(Chief Patron)



Prof. (Dr.) Yashbir Diwan
Honorable Vice-Chancellor
(Patron)



Mr. Jagdamba Prasad Maithani
Chairperson, AAGAAS FEDERATION
Speaker



Dr. Ajay Kumar Khanduri
Registrar (Co-Patron)

Date: 27-9-23 at 2:30 | Venue: SBAS auditorium, Patel Nagar, SGRRU

Organized by:
School of Management & Commerce Studies & Innovation and Incubation Centre
Shri Guru Ram Rai University, Dehradun

Dr. Dwarika Maithani
Director- IIC, SGRR University

Dr. Pooja Jain
Dean-SMCS, SGRR University

About the Talk

On Wednesday, the 27th of September 2023, we organized a Guest Lecture and mentorship session featuring Mr. J. P. Maithani, who serves as the Chairman of the Alaknanda Ghaati Shilpi Federation (AAGAS Federation). The lecture and mentorship session were centered around the theme of Village Resource-Based Employment Generation. During his presentation, Mr. Maithani elaborated on various areas related to local resource-based employment generation:

Adventure Tourism, including activities such as Trekking, Rock Climbing, Eco-Tourism/Biotourism (Bird Watching/Butterflies), Photography, Blogging, Nature Storytelling, History, Art, Culture, Agrotourism, Mobile-Free Tourism, and Star Gazing. Organic Products, such as Mountain Millets, Pulses, Culinary Herbs, Himalayan Honey, Herbs & Medicinal Plants, Wild Edible Fruits & Herbs (Berberis, Blackberry, Kaafal, etc.). Craftsmanship, encompassing Ringaal products, Woodcraft (Masks, Agricultural Tools). Animal Fiber-based Products, including Wool items like Carpets and Aasans. Housing Materials, such as Bamboo, Wood-based materials, Natural Fiber, Industrial Hemp, Himalayan Nettle, Bheemal Fiber, and related activities like Shampoo production and Agroforestry Nursery Activities. Additionally, the cultivation of Stone Fruits and Temperate Fruits like Hazelnut, Pecan Nut, Chestnut, Apple, Kiwi, and Cherry, along with livestock management. Poultry and Fishery. Dog Breeding. Dairy Farming, particularly focusing on the Badri Cow breed.

Glims of Lecture:





Glims of Mentorship:

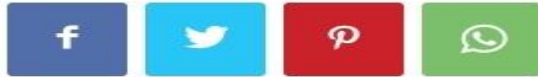


Media coverage

उत्तराखण्ड में बायोटूरिज़्म और ग्राम संसाधन आधारित स्वरोजगार की असीम संभावनाएं

By Himantar - September 28, 2023

13 0



आज श्री गुरु राम राय यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स स्टडीज़ एंड इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित इंटरप्रन्योरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार ग्राम संसाधन आधारित रोजगार विषय पर बोलते हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में बोलते हुए आगाज़ फैडरेशन पीपलकोटी के अध्यक्ष एवं संस्थापक जे. पी. मैठाणी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में भारत सर्वाधिक युवाओं का देश है. इसलिए हम सभी को स्थानीय संसाधन आधारित स्वरोजगार को अपनाने की बात पर जोर दिया.

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में बायोटूरिज़्म और बायोटूरिज़्म पर आधारित स्वरोजगार के अनेक संसाधन मौजूद हैं. नेचर गाइड, स्टोरी टेलिंग, होम स्टे के साथ-साथ माउंटेन मिलेट, ऑर्गेनिक रूप से उगाई गयी दालों, कलिनरी हर्ब्स, जड़ी-बूटी ही नहीं बल्कि जंगली फलों जैसे किल्मोड़, बेडू, काफल, बुरांस को भी स्वरोजगार के रूप में अपनाया जा सकता है. उत्तराखण्ड के चार धामों में रिंगाल/ हिमालयी बांस से बनी टोकरियां स्वरोजगार का बेहतर साधन हो सकती हैं. उन्होंने छात्र-छात्राओं का आह्वाहन करते हुए कहा कि हमें सरकारी नौकरियों का मोह त्याग कर ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे उद्यम स्थापित करने होंगे. जड़ी-बूटी कृषि, औद्योगिक भांग, हिमालयन नेटल, भीमल आधारित उत्पादों की देश-विदेश में बहुत मांग है.



उत्तराखंड में हैं स्वरोजगार के अनेक संसाधन: मैठाणी

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। श्री गुरु रामराय यूनिवर्सिटी में आयोजित इंटरप्रन्योरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार ग्राम संसाधन आधारित रोजगार विषय पर मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में बोलते हुए आगाज फ़ेडरेशन पीपलकोटी के अध्यक्ष एवं संस्थापक जेपी मैठाणी ने कहा कि कि उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में बायोटूरिज्म और बायोटूरिज्म पर आधारित स्वरोजगार के अनेक संसाधन मौजूद हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि हमें सरकारी नौकरियों का मोह त्याग कर ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे उद्यम स्थापित करने होंगे। मैठाणी ने कहा कि आज उनकी संस्था के कार्यक्रमों से डेढ़ हजार से अधिक किसानों को जैविक खेती, जड़ी-बूटी की खेती और नर्सरी के कार्यक्रमों से जोड़कर लाभ पहुंचाया जा रहा है। यही नहीं एडवेंचर टूरिज्म और होम स्टे भी रोजगार का बेहतर संसाधन है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को

- पलायन व बेरोजगारी को रोकने के लिए करने होंगे प्रयास



पीपलकोटी में स्थापित किये गये बायोटूरिज्म पार्क और रिंगाल काष्ठ शिल्प आधारित ग्रोथ सेंटर के बारे में जानकारी दी। और एम.बी.ए. के छात्रों का आह्वान करते हुए कहा जब तक हम अपने उद्यम विकसित नहीं करते तब तक पलायन और बेरोजगारी को कम नहीं किया जा सकता। इस कार्यक्रम के आयोजन में इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो. द्वारिका प्रसाद मैठाणी और प्रो. पूजा जैन डीन एसएमसीएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ कुमुद सकलानी, डॉ मीनू, डॉ मिन्नी, डॉ.कनिका रावत आदि अध्यापक मौजूद रहे।